हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 23 मार्च 2026

9 पेयजल शुल्क एकत्रित करने में ग्राम पंचायतें आएं आगे...

10 नगर पालिका का डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण...

जिन स्कूलों में नहीं है स्वीपर, वे स्वच्छता पर खर्च कर सकेंगे 8 हजार

आज से प्रवेश उत्सव और नामांकन, जनगणना से लेकर नामांकन अभियान तक मिले सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेशभर के विद्यालयों में जनगणना कार्य, इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, स्वच्छता अभियान और नामांकन बढ़ाने को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। निदेशक माध्यमिक शिक्षा की अध्यक्षता में इसको लेकर पिछले दिन वीडियो कॉन्फ्रेंस पर उच्चस्तरीय बैठक भी हुई थी। उसमें जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी कार्य तय समयसीमा में हर हाल में पूरे किए जाएं अन्यथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा 16वीं जनगणना को लेकर रहा। विभाग ने स्पष्ट किया कि एक मई से 30 मई तक चलने वाले पहले चरण के दौरान किसी भी कर्मचारी की ड्यूटी नहीं काटी जाएगी और इस अवधि में किसी प्रकार के तबादले या ज्वाइनिंग-रिलीविंग की प्रक्रिया नहीं होगी। जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ चार्जशीट जारी की जाएगी।

- व्हाइटवॉश, चारदीवारी निर्माण एवं भवन मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देगा विभाग
- प्राथमिक 20 से कम मिडिल 30, हाई 50 और सीनियर सेकेंडरी 75 से कम संख्या होने पर देना होगा स्पष्टीकरण

आज से प्रवेश उत्सव शुरू, 1 को विशेष नामांकन दिवस

बजट उपयोग को लेकर विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि सभी विद्यालय 1 अप्रैल तक उपलब्ध बजट राशि का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। प्रत्येक विद्यालय में व्यय प्रक्रिया के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करना अनिवार्य किया गया है। नामांकन बढ़ाने के लिए 23 मार्च से प्रवेश उत्सव शुरू करने और 1 अप्रैल को विशेष नामांकन दिवस आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने सभी स्कूलों को नामांकन वृद्धि के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा है। कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। तय मानकों से कम नामांकन पाए जाने पर संबंधित विद्यालयों से लिखित स्पष्टीकरण लिया जाएगा।

न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम की प्रगति धीमी

बैठक में यह भी सामने आया कि न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के तहत प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, जबकि लक्ष्य नौ लाख का रखा गया है। इसके अलावा लंबित एसीपी, मेडिकल केस और जनसंवाद कार्यक्रमों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और विद्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए कि वे इन सभी बिंदुओं पर सख्ती से अमल सुनिश्चित करें और तय समय सीमा के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बेहतर शौचालय संबंधित देना होगा स्कूल को शपथ पत्र

विद्यालयों के बुनियादी ढांचे को लेकर भी विभाग ने कड़े निर्देश दिए हैं। सभी स्कूलों में आठ अप्रैल तक कार्यशील शौचालय सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया है, जिसके लिए स्कूलों से शपथ पत्र भी लिया जाएगा। साथ ही यूडीआईएसई पोर्टल पर सभी सूचनाएं समयबद्ध तरीके से अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वच्छ प्रांगण अभियान के तहत कोई भी विद्यालय छूटे नहीं, यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। जिन प्राथमिक विद्यालयों में सफाई कर्मचारी नहीं हैं, उन्हें स्वच्छता बनाए रखने के लिए आठ हजार रुपये तक खर्च करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा व्हाइट वॉश, चारदीवारी निर्माण और भवन मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

खबर संक्षेप

असम राइफल्स स्थापना दिवस नांगल चौधरी में कल

नारनौल। असम राइफल्स का स्थापना दिवस 24 मार्च को नांगल चौधरी में मनाया जाएगा। इस विशेष आयोजन में हरियाणा व राजस्थान सहित देशभर से असम राइफल्स के सेवा निवृत्त अफसर व जवान भाग लेंगे। रिटायर हवलदार शीशराम यादव व मालाराम गुर्जर ने इस संबंध में बताया कि पहली बार हरियाणा और राजस्थान का संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जो आपसी एकता और पूर्व सैनिकों के सम्मान की एक मिसाल बनेगा। पूर्व सैनिकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पूर्व सैनिक अपने अनुभव साझा करेंगे और संगठन की गौरवशाली परंपराओं को याद करेंगे। लोगों को भी इस कार्यक्रम के माध्यम से सेना के योगदान को जानने का अवसर मिलेगा।

हनुमान जयंती पर भंडारा 2 अप्रैल को

कनीना। हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में दो अप्रैल को 132 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन प्रांगण में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। निगम के जेई रामरतन शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व एक अप्रैल रात्रि को जागरण होगा। जिसमें भजन गायक हनुमान जी के भजनों का गुणगान करेंगे। वहीं दो अप्रैल को सुबह सवा आठ बजे हवन का आयोजन होगा, इसके बाद सवा 10 बजे भंडारा प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि भंडारे में करीब 15 क्विंटल चीनी के लड्डू तैयार किए जाएंगे।

प्रशासन का दावा जिले में एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति जारी

एजेंसी के बाहर लंबी कतार, आज अवकाश के बावजूद होम डिलीवरी करने का दावा

जिले में कुल 10289 सिलेंडरों के स्टॉक में से 4649 की ऑनलाइन बुकिंग, 6286 की डिलीवरी सुनिश्चित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। भारत गैस एजेंसी पर लाइन में लगे उपभोक्ता व गैस एजेंसी का निरीक्षण करते सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी। फोटो : हरिभूमि

बेशक जिला प्रशासन एवं खाद्यापूर्ति नियंत्रक विभाग गैस की कोई किल्लत नहीं होने के लाख दावे कर रहा हो, लेकिन गैस एजेंसियों पर लगने वाली भीड़ इसकी कुछ ओर ही हकीकत बयां कर रहे हैं। लोगों को गैस सिलेंडर बुक किए एक सप्ताह से दस दिन तक बीत रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर घरेलू गैस नहीं मिल रही। इससे उपभोक्ताओं में रोष भी बना हुआ है। वहीं रविवार प्रशासन ने दावा किया है कि विशेष रूप से सोमवार को गैस एजेंसियों का नियमित अवकाश होने के बावजूद जनता की सुविधा के लिए होम डिलीवरी सेवा जारी रहेगी।

खाड़ी में शुरू हुई जंग के बाद गैस किल्लत देखने को मिली है। इसका उदाहरण गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतारें हैं। लोगों को बुक कराया गया सिलेंडर लेने के लिए काफी इंतजार करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें कई-कई दिनों तक गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा और ऑनलाइन बुकिंग में भी दिक्कत आ रही है। ऑफिसर कॉलोनी में रह रहे पूर्व चेयरमैन ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि उन्हें रसोई के लिए गैस सिलेंडर चाहिए। उन्होंने फोन के जरिए सिलेंडर बुक भी किया, लेकिन सिलेंडर डिलीवर नहीं किया गया। शुरू में उन्होंने चार–दिन तक इंतजार किया, लेकिन जब सिलेंडर नहीं आया, तब उन्हें एजेंसी वालों से संपर्क किया। जिस फिर से उसे एक-दो दिन और इंतजार करने के लिए कह दिया गया। जब रसोई में पहले से लगे सिलेंडर के खत्म होने की आशंका बढ़ी, तब उन्हें एजेंसी कार्यालय से ही संपर्क करना पड़ा। तब वहां पर भीड़ लगी थी और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि सिलेंडर उन्हें मिल गया है, लेकिन काफी जद्दोजहद करनी पड़ी है। इसी प्रकार बाछौद निवासी मोरमुकुट यादव, टेकचंद यादव, नितेश मित्तल व प्रवीण कुमार ने बताया कि गैस एजेंसी पर घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद ही उनकी बुकिंग हो पा रही है। ऐसे हालातों में लोगों को पुराने दिन याद आने लगे हैं, जब सिलेंडर लेने के लिए लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता था। उन्होंने बताया कि तीन से चार घंटे लाइन में खड़े रहने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा।

प्रशासन का दावा नियमित हो रही गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी

जिले की विभिन्न गैस एजेंसियों की ताजा जानकारी के अनुसार 21 मार्च को शाम पांच बजे तक जिले में कुल 10289 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध था। इसमें से 4649 ऑनलाइन बुकिंग के मुकाबले 6286 सिलेंडरों की डिलीवरी सुनिश्चित की गई है। वहीं व्यावसायिक सिलेंडरों की शादियों व सरकारी कार्यों के लिए मांग अनुसार आपूर्ति प्राप्त हुई है तथा संबंधित आवेदकों को इस बारे में सूचित किया जा रहा है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिलावासियों को आश्वस्त किया है कि जिले में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को लगातार सिलेंडरों की डिलीवरी दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन आपूर्ति व्यवस्था पर पैनी नजर रखे हुए है और जो भी असामाजिक तत्व चोरी छिपे गैस की कालाबाजारी करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर अवैध रूप से रखे गए सिलेंडर भी जब्त किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि वर्तमान में किसी भी गैस एजेंसी पर भीड़ की स्थिति नहीं है, क्योंकि होम डिलीवरी की व्यवस्था सुचारू रूप से चालू है। विशेष रूप से सोमवार को गैस एजेंसियों का नियमित अवकाश होने के बावजूद जनता की सुविधा के लिए होम डिलीवरी सेवा जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को बिना किसी असुविधा के समय पर रसोई गैस प्राप्त हो सके।

सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी का औचक निरीक्षण

सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर गैस एजेंसियों के स्टॉक और वितरण रजिस्टर का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एजेंसी संचालकों को कड़े निर्देश दिए कि वे उपभोक्ताओं के साथ शालीन व्यवहार करें और होम डिलीवरी में किसी भी प्रकार की देरी न होने दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल। निजामपुर में रोड पर फंसे वाहन। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र में घटित अलग-अलग दुर्घटनाओं में चार की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

क्षेत्र में अलग-अलग दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शवों के पोस्टमार्टम कराए हैं।

गत 5 मार्च को शहर में करीब 50 वर्षीय व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला था। पुलिस ने उसे ईलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी हालत देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, जहां कुछ दिन भर्ती रहने के बाद रविवार को पीजीआईएमएस रोहतक में दम तोड़ दिया। एसएचओ सिटी ने बताया कि उक्त अज्ञात व्यक्ति की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। इस कारण उसका शव 72 घंटों के लिए रोहतक के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवाया गया है।

पेट दर्द से जान गई

यूपी के सीतापुर के रहने वाले करीब 55 वर्षीय ओमप्रकाश को जब पेट में दर्द हुआ तो उसे नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, लेकिन वह बच न सका और उसकी मौत हो गई। वह राजगीर मजदूर था और उसके पांच बच्चे हैं। वह बच्चों के साथ मोहल्ला फ्रांसखाना में रह रहा था।

बीमारी से युवक की मौत

शहर के वार्ड नं 15 स्थित मोहल्ला जेर मंडेरी निवासी करीब 40 वर्षीय राजवीर की बीमारी से मौत हो गई। वह उपचार के लिए झज्जर ले जाया गया हुआ था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया गया है।

नहर में कूदे बुजुर्ग की नहीं हुई पहचान

गत 19 मार्च को नांगतिहाड़ी नहर में कूदे करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत होने उपरांत पुलिस ने उसकी शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे पहचान के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया हुआ है। बता दें कि बुजुर्ग ने गत 19 मार्च को नहर में छलांग लगा दी थी और उसे पशुओं के लिए घास लेने गई महिलाओं ने देख लिया था तथा इसकी सूचना पुलिस तक पहुंची थी। पुलिस ने करीब दो घंटे की मशक्कत करके शव को बाहर निकाला था। अब उसी पहचान का इंतजार है।

हनीट्रैप में फंसा ब्लैकमेल करने का आरोप

- विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज

नारनौल। सिटी पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए युवकों को ब्लैकमेल करने के आरोप में एक गिरोह के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश के बाद की गई है। इस संदर्भ में आशीष चौधरी एडवोकेट ने बताया कि शहर के गुरु नानकपुरा निवासी जतिन कुमार नामक युवक की शिकायत पर पुलिस ने मोहल्ला पीर आगा निवासी नामजद और चांदुवाड़ा दिल्ली दरवाजा के पास रहने वाले अन्य आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग मिलकर एक गिरोह के रूप में काम करते हैं। गिरोह में शामिल महिलाएं युवकों को अपने जाल में फंसाकर उनके साथ छेड़छाड़ के झूठे आरोप लगाने की धमकी देते हैं और बाद में उनसे पैसे वसूलने का प्रयास करते हैं। पीड़ित के अनुसार जब उसने पैसे देने से मना कर दिया तो उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। घटना उसकी दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड है। पहले पुलिस को शिकायत दी गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर उसने अपने वकील के माध्यम से कोर्ट में याचिका दायर की।

बुजुर्ग महिला से चेन छीनने वाला गिरफ्तार

नारनौल। सीआईए ना ने स्नैचिंग के मामले में एक और आरोपित सचिन निवासी गावली नजदीक नकटी घाटी सीकर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ चोरी व छीना झपटी के आधा दर्जन से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपित सचिन को झुंझुनूं जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया है। जहां वह एक अन्य चोरी के मामले में न्यायिक हिरासत में था। पुलिस ने एक आरोपित रूड़ाराम निवासी लुहारवास नीमकाथाना राजस्थान को पहले गिरफ्तार किया था। जिससे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने लूटी गई सोने की चेन, लॉकेट व सोने के 10 मणिये बरामद किए थे। घटना के अनुसार दिल्ली पुलिस में कार्यरत हंसराज निवासी थनवास ने थाना नांगल चौधरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि 14 अप्रैल सुबह करीब 5:40 बजे उसकी माताजी एनएच 148 बी सर्विस रोड पर घूमने गई थी। जब वह पेट्रोल पंप के समीप पहुंची, तो सुबह करीब 6:10 बजे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उनके गले से सोने की चेन व लॉकेट झपट लिया और कोटपुतली की ओर फरार हो गए। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया था।

आग से सब्जी का खोखा जला

नारनौल। नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप स्थित नई सब्जी मंडी के मुख्य गेट पर रखे सब्जी के खोखे में अचानक आग लग गई। आग देखकर लोगों ने इसकी सूचना फॉयर ब्रिगेड को दी। सब्जी मंडी गेट के पास कचरे का ढेर पड़ा हुआ था, जिसमें आग लगी हुई थी। बताया जा रहा है कि यही कूड़े की आग फैल गई तथा वहां जमा कूड़े से सुनील के खोखे में भी आग लग गई। इस आग में खोखे समेत उसके अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, आग लगने का असली कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग लगने उपरांत मौके पर फॉयर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची तथा आग को बुझाया।

नारनौल। सब्जी मंडी के पास खोखे में लगी आग।

कनीना। घटना स्थल पर पहुंचकर जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

दुकान में सामान लेने आई वृद्ध महिला तेज गति कार की टक्कर से घायल

कनीना। गांव गुढ़ा में रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक लापरवाह तेज गति कार चालक ने दुकान पर सामान लेने गई एक वृद्ध महिला को टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। घायल हुई वृद्ध महिला को उपचार के लिए महेंद्रगढ़ अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक स्विफ्ट डिजायर कार चालक तेज गति से कार चला कर गांव में प्रवेश कर रहा था, जिससे वह असंतुलित हो गई और दुकान के सामने खड़ी महिला को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला 10-12 फुट दूर जाकर गिरी। कार अपनी और आते देख दुकान के बाहर बैठे अन्य व्यक्ति उठकर दुकान में पीछे की तरफ भाग खड़े हुए। इस घटना को लेकर ग्रामीणों ने कार चालक के विरुद्ध आक्रोश जताया है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से गांव की गलियों में तेज गति से वाहन चलाने वाले युवकों व चालकों पर कार्रवाई की मांग की है। हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस का ईआरवी वाहन मौके पर पहुंचा। पुलिस कर्मचारियों ने जांच शुरू की। समाचार लिखे जाने तक पुलिस गाड़ी को कब्जे में लेने के लिए प्रयासरत थी, वहीं वृद्ध महिला की हालत भी नाजुक बताई जा रही है।

कार बेचने के नाम पर धोखाधड़ी, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। कार बेचने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। गांव गोद के 26 वर्षीय युवक ने एसपी को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी इनोवा क्रिस्टा कार को बेचने के लिए परिचित डीलर ललित कुमार के माध्यम से सौदा किया था।

शिकायत के अनुसार महेंद्रगढ़ के नांगल माला गांव के आरोपित ललित कुमार फाइनेंस गाड़ियों की रिकवरी और सेल-परचेज का काम करता है। उसने उसको गाड़ी के अच्छे दाम दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद 16 सितंबर 2025 को उसने गाड़ी अपने यार्ड गांव बुचावास में खड़ी करवा ली। बाद में 27 सितंबर को ललित कुमार ने एक कथित खरीदार सुरेंद्र कुमार निवासी गांव कोसली जिला रेवाड़ी को दिखाकर एग्रीमेंट करवा दिया। इस दौरान 3.30 लाख रुपये दिलवाए गए, जिसमें से 30 हजार रुपये कमीशन के रूप में ललित कुमार ने रख लिए। एग्रीमेंट में तय हुआ कि आगे की सभी किस्ते खरीदार भरेगा। कुछ दिन बाद फाइनेंस कंपनी से किस्त बकाया होने के फोन आने लगे। शिकायतकर्ता ने जब ललित कुमार से संपर्क किया, तो वह टालमटोल करता रहा और बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपितों ने गाड़ी में लगा जीपीएस सिस्टम भी निकाल दिया, जिससे वाहन की लोकेशन का पता नहीं चल पा रहा है।

सोनीपत में संदिग्ध हाईटेक कैमरा मिलने व तार जासूसी गिरोह से जुड़ने के बाद एजेंसियां अलर्ट

सीआईडी, जीआरपी, आरपीएफ व गुप्तचर विभाग की संयुक्त टीम ने किया रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिले में रेवाड़ी बीडीडीएस, सीआईडी, जीआरपी, आरपीएफ व हरियाणा गुप्तचर विभाग की संयुक्त टीम ने अटेली, नारनौल व निजामपुर रेलवे स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, बिजली के पोल व आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध कैमरा या अन्य कोई उपकरण बरामद नहीं हुआ। इस दौरान टीम ने रेलवे स्टेशनों सहित संवेदनशील स्थानों की जांच की तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

बता दें कि सोनीपत में रेलवे स्टेशन के बाहर संदिग्ध हाईटेक कैमरा मिलने तथा उसके तार जासूसी गिरोह से जुड़ने के बाद प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड़ पर है। जिसके चलते रेवाड़ी बीडीडीएस, सीआईडी, जीआरपी, आरपीएफ व हरियाणा गुप्तचर विभाग की संयुक्त टीम ने अटेली, नारनौल व निजामपुर रेलवे स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया। हालांकि टीम को जांच के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध कैमरा नहीं मिला। टीम ने इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, बिजली के पोल व आसपास के क्षेत्रों की गहनता से जांच की। इस अवसर पर रेवाड़ी से बीडीडीएस सीआईडी के इंचार्ज एसआई कुलदीप ने बताया कि यह कार्रवाई उच्चाधिकारियों के निर्देश पर की है।

रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण करने पहुंची इस संयुक्त टीम में बीडीडीएस, सीआईडी रेवाड़ी इंचार्ज एसआई कुलदीप सिंह, जीआरपी प्रभारी एसआई कैलाश चंद, आरपीएफ चौकी प्रभारी एसआई रमेश कुमार, नारनौल से सीआईडी जसवंत यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे।

नारनौल। रेलवे स्टेशन पर जांच करने पहुंचे संयुक्त टीम। फोटो : हरिभूमि

सघन जांच अभियान चलाया

गत बुधवार को सोनीपत रेलवे स्टेशन के बाहर बिजली के पोल पर हाईटेक कैमरा मिला था। इसके बाद संभावित स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया कि यह कैमरा गाजियाबाद में पकड़े गए जासूसी गिरोह से जुड़ा है, जोकि सोलर पैनल से संचालित था, जिसे दूर से ही नियंत्रित किया जा सकता था। आशंका जताई जा रही है कि इसका एक्सेस पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के पास था, जो रेल व सैन्य गतिविधियों की निगरानी कर रहे थे। इस मामले में महिला समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जानकारी के अनुसार गिरोह के सदस्यों को 25 से 30 हजार रुपये प्रति महीना व उपकरण देकर जासूसी के लिए तैयार किया गया था। फिलहाल एजेंसियां तकनीकी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही हैं। हालांकि निरीक्षण के दौरान इन रेलवे स्टेशनों पर स्थिति सामान्य पाई गई, लेकिन फिर भी सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को लेकर पूरी तरह अलर्ट हैं।

जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

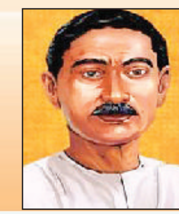

कहानी

डॉ. अंजना गर्ग

चार खुश औरतें

कमला बोलीं, "और मुझे लगता था कि विधवा होने के बाद जीवन बस इंतज़ार बन जाता है...पर अब लगता है कि हम कोशिश करें तो जीवन का दूसरा अध्याय शुरू कर सकते हैं।"

संध्या कभी-कभी सोचती- "घर तो वही है, पर अब यह सचमुच घर लगने लगा है।" अब हर दिन कोई न कोई छोटा उत्सव होता। कभी चारों मिलकर पकौड़े बनातीं। कभी पुरानी फ़िल्में देखतीं। कभी छत पर बैठकर चांद देखते हुए पुरानी बातें करतीं। मीरा ने एक दिन गिटार निकाल लिया जो वर्षों से अलमारी में पड़ा था।

शाम ढल रही थी। सूरज की आख़िरी किरणें कॉलोनी के बड़े-बड़े मकानों की दीवारों पर फिसलती हुई मानो यह पूछ रही थीं कि इतने विशाल घरों में आखिर इतनी खामोशी क्यों है। इनमें से एक घर में संध्या रहती थी। कभी यही घर हंसी से भरा रहता था- पति, बच्चे, मेहमान, रिश्तेदार। मगर अब संध्या के लिए यह घर जैसे एक लंबा गलियारा बन गया था, जिसमें कदमों की आवाज़ भी उसे चौंका देती थी। पति से वर्षों पहले तलाक हो चुका था। बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर गए और वहीं बस गए। दिनभर का समय काटना उसके लिए एक पहेली बन गया था। सुबह चाय बनाती, अख़बार पढ़ती, थोड़ा सा खाना बनाती और फिर खिड़की से सड़क को देखती रहती- जैसे किसी का इंतज़ार हो, जिसका आना तय ही न हो।

एक दिन वह पास के पार्क में टहलने गई। वहीं उसकी मुलाक़ात मीरा से हुई। मीरा की आंखों में एक स्थायी थकान थी, जैसे जीवन ने बहुत जल्दी उससे कुछ छीन लिया हो। बातचीत में पता चला कि मीरा की शादी को मुश्किल से पांच साल हुए थे, जब एक सड़क दुर्घटना में उसके पति की मृत्यु हो गई थी।

मीरा ने हंसने की कोशिश करते हुए कहा, "लोग कहते हैं समय सब ठीक कर देता है...पर कुछ खालीपन ऐसे होते हैं जिनमें समय भी कदम रखने से डरता है।"

संध्या ने महसूस किया कि दोनों के बीच एक अनकहा रिश्ता बन रहा है- अकेलेपन का रिश्ता।

धीरे-धीरे पार्क में रोज़ मिलने का सिलसिला शुरू हो गया। दोनों साथ टहलतीं, कभी चाय पीतीं, कभी यूं ही बातें करतीं। एक दिन पार्क की बेंच पर बैठी दोनों बातें कर रही थीं कि पास की पगडंडी से दो महिलाएं आती दिखीं- शकुंतला जी और कमला जी। दोनों की उम्र लगभग पैंसठ के आसपास रही होगी। सफ़ेद बाल, हल्की मुस्कान और आंखों में वह गहराई जो केवल लंबे अनुभव से आती है।

किसी परिचित ने उनका परिचय करवाया। पता चला कि दोनों कुछ साल पहले ही विधवा हुई थीं। बच्चों ने बहुत कहा कि उनके साथ चलकर रहें, मगर दोनों ने मना कर दिया।

"बेटे-बहू सुबह से रात तक ऑफिस में रहते हैं। बच्चे स्कूल और ट्यूशन में। वहां जाकर भी क्या करेंगे?"

कमला जी ने हंसते हुए कहा, "यहां कम से कम अपनी मर्जी से जी रहे हैं। अपना शहर है, कुछ लोग जानकार भी हैं। वहां तो बस बच्चों की मां और सास बन कर रह जाते हैं। यहां कम से कम लोग हमें हमारे नाम से तो जानते हैं।"

उस दिन के बाद पार्क में चार औरतों की छोटी सी टोली बन गई। समय के साथ चारों की दोस्ती गहरी होती गई। हर शाम वे एक ही बेंच पर बैठतीं और जीवन की परतें धीरे-धीरे खुलती जातीं। संध्या ने एक दिन कहा, "इतना बड़ा घर है मेरा...लेकिन कई बार लगता है कि मैं किसी संग्रहालय में रहती हूं।"

मीरा ने सिर हिलाया, "मेरे घर में तो आवाज़ भी गूंजती है। कभी-कभी टीवी सिर्फ इसलिए चलाती हूं कि सन्नाटा टूटे।"

शकुंतला जी बोलीं, "बच्चे कहते हैं हमारे पास आ जाओ... लेकिन उनके जीवन में जगह कहां है?"

कमला जी ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, "हम सबके पास घर तो बहुत बड़े हैं...पर जीवन में कुछ बचा नहीं है।"

चारों हंसीं, मगर उस हंसी में एक गहरा दर्द छिपा था।

मीरा अचानक बोली, "एक बात कहूँ...आप लोग हंसना मत।"

संध्या ने उत्सुकता से पूछा, "क्या बात है?"

मीरा ने थोड़ा झिझकते हुए कहा, "हम चारों इतने बड़े-बड़े घरों में अकेली रहती हैं...क्यों न हम सब एक ही घर में एक साथ रहें?"

तीनों एक पल के लिए चुप रह गईं।

कमला जी ने भौंह उठाई, "मतलब...हम चारों एक घर में एक साथ?"

मीरा ने कहा, "हाँ...सोचिए। चार घरों का खर्चा, चार नौकर, चार किचन... और चारों में अकेलापन। अगर हम एक घर में रहें तो?"

शकुंतला जी की आंखों में चमक आ गई। "और बाकी घर किराये पर दे दें!"

संध्या अचानक हंस पड़ी। "और जब बच्चे आएं तो होटल में ठहर जाएं... किराये के पैसे से आराम से हो जाएगा!"

चारों ज़ोर से हंस पड़ीं। पर धीरे-धीरे यह मज़ाक एक गंभीर विचार में बदल गया। कुछ हफ्तों की चर्चा के बाद उन्होंने फैसला कर लिया। संध्या का घर सबसे बड़ा था और पार्क के भी सबसे करीब। इसलिए तय हुआ कि वही उनका नया घर बनेगा। बाकी तीनों ने अपने-अपने घर किराये पर दे दिए। एक कुक रख लिया गया, जो सुबह-शाम खाना बना देता। एक कामवाली आकर सफ़ाई कर जाती। अब घर में चार कमरे नहीं, चार संसार थे।

पहले संध्या की सुबहें बहुत चुप होती थीं। अब सुबह होते ही किचन से आवाज़ आती- "कमला जी, चाय में चीनी कम रखूं?"

"अरे नहीं, आज थोड़ी ज़्यादा...आज मेरा मूड अच्छा है!"

मीरा योगा मैट लेकर आंगन में बैठ जाती।

शकुंतला जी तुलसी के पास दीया जलातीं।

संध्या कभी-कभी सोचती- "घर तो वही है, पर अब यह सचमुच घर लगने लगा है।" अब हर दिन कोई न कोई छोटा उत्सव होता। कभी चारों मिलकर पकौड़े बनातीं। कभी पुरानी फ़िल्में देखतीं। कभी छत पर बैठकर चांद देखते हुए पुरानी बातें करतीं। मीरा ने एक दिन गिटार निकाल लिया जो वर्षों से अलमारी में पड़ा था।

कमला जी ने कहा, "अरे वाह! अब तो हमारे घर में संगीत भी होगा।" शकुंतला जी ने हंसते हुए कहा, "और मैं श्रोता बनूंगी!" कुछ हफ्तों बाद जब बच्चों को पता चला कि उनकी माएं एक साथ रहने लगी हैं तो वे थोड़ा हैरान हुए।

संध्या की बेटी ने फोन पर कहा, "मां, आपको अजीब नहीं लग रहा अनजान औरतों के साथ?"

संध्या मुस्कुराई, "अनजान? अब तो हम इतना धमाल करते हैं कि लगता है जैसे बरसों से जानते हैं। इतना शोर रहता है कि कभी-कभी शांति ढूंढनी पड़ती है।"

मीरा के बेटे ने पूछा, "मां, जब हम आएंगे तो कहां रुकेंगे?"

मीरा ने हंसते हुए कहा, "पास के होटल में। वैसे भी तुम लोग दो-तीन दिन ही रहते हो।"

फोन के उस पार कुछ पल चुप्पी रही...फिर दोनों हंस पड़े। धीरे-धीरे उनकी यह व्यवस्था पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बन गई। लोग कहते, "देखो, इन चारों ने अकेलेपन का कितना सुंदर हल ढूंढ लिया।"

कभी-कभी पड़ोस की महिलाएं भी चाय पीने आ जातीं। एक दिन पार्क में बैठी संध्या ने कहा, "पता है...पहले मैं हर दिन बच्चों का इंतज़ार करती थी और उनकी छुट्टियों को कैलेंडर पर निशान लगा कर दिन गिनती रहती थी। अब समय ही नहीं मिलता इंतज़ार करने का।"

कमला जी बोलीं, "और मुझे लगता था कि विधवा होने के बाद जीवन बस इंतज़ार बन जाता है...पर अब लगता है कि हम कोशिश करें तो जीवन का दूसरा अध्याय शुरू कर सकते हैं।"

मीरा ने आसमान की ओर देखते हुए कहा, "शायद जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा वही होता है जो हम खुद लिखते हैं।"

एक शाम चारों छत पर बैठी थीं। हवा हल्की ठंडी थी। दूर कहीं मंदिर की घंटियां बज रही थीं।

संध्या ने चारों की तरफ देखा और धीरे से कहा, "हम चारों पहले अलग-अलग घरों में चार उदास औरतें थीं...अब एक घर में चार खुश औरतें हैं।"

शकुंतला जी ने मुस्कुराकर कहा, "क्योंकि अब यह घर चार दीवारों का नहीं...चार दिलों का है।"

कमला जी ने चाय का कप उठाया, "और यह हमारी दोस्ती के नाम।"

मीरा ने हंसते हुए कहा, "और हमारी आज़ादी के नाम।"

चारों के कप आपस में टकराए। नीचे सड़क पर वही पुरानी खामोशी थी, वही बड़े-बड़े मकान थे। लेकिन इस घर की छत पर अब अकेलापन नहीं रहता था। क्योंकि यहां चार औरतों ने मिलकर यह साबित कर दिया था कि साथ सिर्फ रिश्तों से नहीं, अच्छे निर्णयों से भी बनाया जा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

दर्शन, मनोविज्ञान और अन्तर्बोध की लघुकथाएं

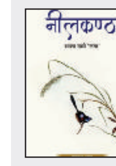

समीक्षक

बलराम अग्रवाल

'नीलकंठ' सुपरिचित साहित्यकार आशा खत्री 'लता' की 81 लघुकथाओं का संग्रह है। पुस्तक के प्रारम्भ में भूमिकास्वरूप लिखित 'मन की बात' के अन्तर्गत 'बालमन की कामना-सी सुन्दर दुनिया की कामना' में उन्होंने कुछ उल्लेखनीय बातें कही हैं। यथा-'जब विसंगतियों का विष हृदय में हलचल मचाता है, जीने नहीं देता; तो कलम के सिपाही शब्दों से उस सौभाग्य की रचना करने का प्रयास करते हैं जो इस विष को अमृत में बदल सके, इससे छुटकारा दिला सके।' 'आज का दौर भूख, अभावों का दौर नहीं है; बल्कि आज का दौर आर्थिक असामनता, चारित्रिक स्खलन, सांस्कृतिक ह्रास का युग है।'; 'सामाजिक स्तर पद और पैसे से आंका जाने लगा है।' यूं तो इसमें बहुरंगी कथानक हैं तथापि अधिकतर कथानक 'बेटी' से जुड़े हैं जो कथानुरूप कभी सुख की तो कभी अफसोस की अनुभूति कराते हैं।

आशा खत्री 'लता'

लेखिका

लघुकथा 'सच्चा झूठ' की बंटी (महरी) प्रधानमंत्री द्वारा नोटबंदी की घोषणा से अति प्रसन्न है। इसलिए नहीं कि इससे उसे कोई नया रोजगार मिलने वाला था; बल्कि इसलिए कि नोटबंदी की घोषणा से उसके श्रम का शोषण करने वाले धनिकों के सीने पर सांप लोटने वाला था, उनका आर्थिक नुकसान होने वाला था। ससुराल में हुई बेटी की हत्या का 'मुजरिम' उसकी बूढ़ी माँ अपने बेटे को भी ठहराती है क्योंकि पढ़ा-लिखा होने के बावजूद उसने अपनी बहन को नैतिक सहारा नहीं दिया।पूजा की भेड़चाल पर तीखी टिप्पणी है, 'भक्ति'। 'पोती का जन्मदिन', 'चोरी पकड़ी गई', 'प्रेम का दर्द' और 'प्रेम' को हिन्दी की श्रेष्ठ लघुकथाओं में गिना जा सकता है। जज को नीर-क्षीर विवेक वाले कैसे चरित्र का व्यक्ति होना चाहिए—इस सत्य की प्रतीति लघुकथा 'मान' में देखने को मिलती है। 'दरिंदगी से तो बच गयी' दिल को दहला देने वाला कथानक प्रस्तुत करती है।

'वह जरूर याद आती है' जैसे जिज्ञासापरक और 'कल की दुनिया कैसी होगी' जैसे सीधे प्रश्नपरक शीर्षक भी पुस्तक में हैं। लेखिका को इन जैसी लघुकथाओं के शीर्षक में किंचित कलात्मकता का संचार करने के बारे में भी सोचना चाहिए था। पुस्तक में 'राजा का कर्त्तव्य' सरीखी दृष्टांत अथवा उपदेश शैली की भी अनेक लघुकथाएं हैं। पुस्तक में जो बात सबसे अधिक अखरती है, वह है व्याकरण चिह्नों की अनदेखी और प्रूफ की गलतियां।

कवि कॉर्नर

कविता | **डा. तबस्सुम जहां**

मुट्ठी भर आकाश

मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए,
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

तिनके भर उम्मीदें बची थीं
नन्हे दिल के घोंसले में,
और अपने पंख कतर दिए
तुम्हारी उड़ानों के लिए।
मुट्ठी भर...
तुम्हें देने के लिए,
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

देखो, दूर क्षितिज जो
झिलमिला रहा है।
उन हसीं पलों की हमें
याद दिला रहा है
फ़रि सर्द बयार चली
हमें मिलाने के लिए।
मुट्ठी भर...

लकीरों-सा हथेली पर
नर्म मख़मली स्वप्न सेज पर
कभी लाई थी एक इंद्रधनुष
तुम्हारे बिछावन के लिए।
और...
मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

जो सहा वे नहीं था
मेरे सहने के लिए
तुम्हारा होना काफ़ी था
मेरे जीने के लिए
मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

कविता | **भूमिका**

एक लड़की का सपना

कोई कितने बड़े भी सपने क्यों न हों,
मेरे पूरे हों ये हर कोई सोचता है,
शायद लड़कियों के सपने नहीं होते हैं,
मगर मैं बताती हूं मेरा एक छोटा सा सपना है,
कि मैं इंजीनियर बनूं और जग में नाम
रोशन करूं,
इसको पूरा करने के लिए पूरा जी जान
लगाऊँ,
और सपने पूरा करके सबको मैं दिखलाऊँ,
फिर लड़कियों के लिए मैं एक मिसाल
बन जाऊं।।

मनोरंजक | **चुगली चर्चा महिलाओं का मुख्य शौक है तो गप्पबाजी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है**

आयोजन एक गप्प प्रतियोगिता का

व्यंग्य | **बलदेव राज भारतीय**

गप्पबाजी का जो टैलेंट हमारे देश के नेताओं में है, वह दुनिया के किसी और देश के नेताओं में नहीं मिल सकता। हां, पाकिस्तान के नेता जरूर टक्कर दे सकते हैं।

गप्पबाजी अपने आप में एक संपूर्ण कला है। यह चुगली चर्चा की तरह लोकप्रिय है। चुगली चर्चा महिलाओं का मुख्य शौक है तो गप्पबाजी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है। यद्यपि कई महिलाएं भी गप्पबाजी में पुरुषों को टक्कर देती हुई देखी जा सकती हैं परंतु यह वास्तव में पुरुषों का महत्वपूर्ण शौक है। कुछ लोग इस कला में बहुत ही माहिर होते हैं। हमारे मोहल्ले के पप्पू को तो जानते ही हैं आप। अरे ! वही पप्पू जो पिछले कई साल से एक ही कक्षा में फेल होता रहा और पिछली बार कोरोना के कारण बेचारा आखिर पास हो ही गया। उसका एक छोटा भाई है नाम है गप्पू। गप्प हांकने की कला में इतना माहिर है कि सब लोग उसके आगे-पीछे घूमते रहते हैं, गप्प सुनने के लिए नहीं बल्कि उसकी बातों से रस लेने के लिए। रस लेने पर सरकार ने टैक्स थोड़े ही लगाया है, आप भी लीजिए। एक दिन सुबह सुबह मुझसे टकरा गया। मैंने बचने की लाख कोशिश भी की। मगर दुर्भाग्य से बच ना सका। कहने लगा, 'मास्टर जी! गप्पबाजी एक मनोरंजक और ऊर्जा स्फूर्ति देने वाला काम है। आप तो देश भर के अखबारों में लिखते रहते हो। क्यों न गप्पबाजी के विषय में कुछ लिखो?' मैंने कहा, 'गप्पबाजी के विषय में क्या लिखा जा सकता है गप्पू?'

'कमाल है मास्टर जी! लेखक आप बने फिरते हो। पूछ मुझसे रहे हो कि क्या लिखूं? फिर भी बता दूं कि यदि देश में गप्पबाजी का मुकाबला करवाया जाए तो एक दो मेडल तो आपका यह गप्पू भी जीत लेगा।' कहते हुए गप्पू के चेहरे की चमक बढ़ गई। 'इतना विश्वास है तुम्हें अपने ऊपर!' मैंने पूछा- 'हां, लोग कहते हैं कि गप्पबाजी में पूरे देश में मेरा मुकाबला कोई नहीं कर सकता।' 'गप्पू! तुम लोगों की बातों में आ रहे हो। लोग तुम्हें मसरी के पेड़ पर चढ़ा रहे हैं और तुम चढ़े जा रहे हो। तुम्हें हकीकत पता भी है कि अगर मुकाबला हो गया तो तुम अपना नाम ढूंढते रह जाओगे। गोल्ड मेडल तो क्या, पहले एक लाख लोगों में भी तुम्हें अपना नाम ढूंढे नहीं मिलेगा। मसरी के पेड़ से ऐसे गिरोगे बच्चे कि कोई हड्डी भी साबुत नहीं बचेगी।' 'क्या बात करते हो मास्टर जी! वो क्या कहते हैं आप मुझे अंडर एस्टीमेट कर रहे हो या फिर आप जलते हो मुझसे! कि कहीं मैं आप से ज्यादा लोकप्रिय न हो जाऊं। इस दुनिया में आप अकेले नहीं हो लिखने वाले। आप से भी बड़े बड़े सूरमाओं से मेरा परिचय है। मुझे घर बुलाकर चाय भी पिलाएंगे और मेरे गप्पबाजी के आयोजन की बात को देश के सभी अखबारों में भी लगवाएंगे। अच्छा तो जय राम जी की, हम चलते हैं उनके पास!'

'अरे यार! तुम भी कमाल हो। मैं तुम्हें अंडर एस्टीमेट नहीं कर रहा हूं। पर क्या तुम इस देश के छोटे से छोटे नेता और उनके चमचों को गप्पबाजी में हरा पाओगे? शायद नहीं। गप्पू नाम होने से कुछ नहीं होता। गप्पबाजी का जो टैलेंट हमारे देश के नेताओं में है, वह दुनिया के किसी और देश के नेताओं में नहीं मिल सकता। हां, पाकिस्तान के नेता जरूर टक्कर दे सकते हैं।... और उनसे हम कभी हारना पसंद नहीं करते। उनसे तो हमारे देश के नेताओं के चमचे भी मुकाबला करें तो हम उन्हें भी न हारने दें। आखिर बाप-बाप होता है और बेटा बेटा।'

'मास्टर जी! आप ही तो कहते हैं कि जब मन में कुछ करने की इच्छा हो तो उसे कर लेना चाहिए। हार-जीत तो जीवन का हिस्सा होती है। बस आप मुकाबले के लिए एक विज्ञापन सारे देश के अखबारों में छपवा ही दीजिए।' 'अरे बुद्धू! विज्ञापन के लिए इतना पैसा कहां से लाओगे? तुम ओखली में सिर देना ही चाहते हो तो मुझे क्या? पर अपनी जेब का तो ख्याल कर लो। मैं एक लेख के माध्यम से सारे देश के गप्पबाजों को न्योता दे दूंगा। बस तुम गप्पबाजी की प्रतियोगिता के लिए स्थान और समय निश्चित कर मुझे बता दो।' 'मास्टर जी, निश्चित क्या करना? आप अपने स्कूल का पता दे दीजिए।'

'वाह गप्पू वाह! प्रतियोगिता करवाओ तुम और अखाड़ा बनाओ मेरे स्कूल को। मैं इसमें तुम्हारे घर का पता दे रहा हूं! तुम्हें भी पता चले कि किसी प्रतियोगिता का आयोजन करना कितना मुश्किल होता है? तुम्हें पता तो चले बड़ी-बड़ी गप्प हांकने का।'

'मास्टर जी, आप रहने दीजिए। मुझे नहीं करवानी कोई प्रतियोगिता! आप सही कहते हो, मैं कभी नहीं जीत सकता इस देश में नेताओं के होते हुए।' 'नहीं गप्पू! अब तुम अपने आप को अंडर एस्टीमेट न करो। क्या होगा जो कुछ लोगों के चाय-पानी का प्रबंध तुम्हें करना भी पड़ गया! यह सोचो कि तुम्हारा नाम देश-विदेश में कितना ऊंचा हो जायेगा।' तो मेरे इस लेख के सुधि पाठको! अगर आपके आसपड़ोस में भी कोई गप्प हांकने वाला इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहता है तो वह हमारे मोहल्ले के गप्पू से संपर्क करे। पता अमिताभ बच्चन जी से पूछ लेना। जो पप्पू का पता, वही गप्पू का पता।

मोटिवेशनल

डिजिटल दुनिया में भटकने से बचें

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा अवसरों से भरे दौर में जी रहा है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने सीखने और आगे बढ़ने के अनगिनत रास्ते खोले हैं, लेकिन यही साधन ध्यान भटकाने का बड़ा कारण भी बन रहे हैं। नोटिफिकेशन, रील्स और लाइक्स की दौड़ में कई युवा घंटों बिताकर भी खालीपन महसूस करते हैं। इसलिए जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में रहते हुए भी फोकस बनाए रखा जाए। असल समस्या तकनीक नहीं, बल्कि उसका उपयोग है। वही मोबाइल हमें नई स्किल सिखा सकता है, ऑनलाइन कोर्स करा सकता है और करियर बनाने में मदद कर सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि हम उसे नियंत्रित करते हैं या वह हमें। आज "डिजिटल अनुशासन" अपनाना बेहद जरूरी है। जैसे पढ़ाई और फिटनेस के लिए समय तय करते हैं, वैसे ही डिजिटल उपयोग का समय भी सीमित होना चाहिए। ध्यान भटकने का कारण भी समझना जरूरी है। युवा मन स्वभाव से जिज्ञासु होता है और हर नई चीज आकर्षित करती है। सोशल मीडिया इसी मनोविज्ञान पर काम करता है, जिससे हम ज्यादा समय वहीं बिताएं। ऐसे में खुद से सवाल करें कि क्या हम समय निवेश कर रहे हैं या सिर्फ खर्च? इससे बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, हर बार मोबाइल इस्तेमाल करने से पहले अपना उद्देश्य तय करें। रोज कम से कम 30 मिनट बिना किसी डिजिटल व्यवधान के पढ़ाई या नई स्किल सीखने में लगाएं। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करें, ताकि ध्यान बार-बार न भटके। सप्ताह में कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालें और उसे परिवार या खुद के विकास में लगाएं। साथ ही, दूसरों से तुलना करने से बचें और अपनी प्रगति पर ध्यान दें। सकारात्मक सोच भी बेहद जरूरी है। नकारात्मक कंटेंट से दूरी बनाकर प्रेरणादायक चीजों को अपनाएं। याद रखें, मन की शांति से ही ध्यान बढ़ता है, और शांति अनुशासन से आती है। डिजिटल युग में वही सफल होगा जो तकनीक का सही उपयोग करना जानता है। इसलिए तकनीक का उपयोग करें, उसका शिकार न बनें। युवा शक्ति किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि यह शक्ति ध्यान और ऊर्जा को सही दिशा दे, तो असंभव भी संभव हो सकता है। मोबाइल को अपने सपनों के बीच मत आने दें। उसे अपने सपनों तक पहुंचने का माध्यम बनाइए। क्योंकि अंततः जीत उसी की होती है, जो स्वयं पर नियंत्रण रखता है।

लघु कथा

सुख

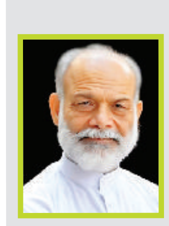

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्यकार एवं पूर्व शिक्षक

श्रद्धा ने नाराजगी से कहा, "हां, बोलो, क्यों बुलाया मुझे यहां ?"

परेश ने धीमे स्वर में जवाब दिया, "बस... तुम्हें देखने का मन था, इसलिए बुला लिया।"

श्रद्धा का चेहरा कठोर हो गया- "अपने मन को काबू में रखो। अब हमारे बीच कुछ नहीं रहा। मैंने पहले ही बता दिया था कि मेरी शादी तय हो चुकी है। आगे से मुझे फोन करने की भी जरूरत नहीं है।"

परेश ने विनम्रता से कहा, "यहां सड़क पर खड़े होकर बात करना ठीक नहीं। चलो, सामने कैफे में या पार्क में बैठते हैं। हमने इतने साल साथ बिताए हैं, क्या सब कुछ ऐसे ही खत्म कर दोगी?" उसकी आंखों में नमी झलक रही थी।

श्रद्धा ने ठंडी आवाज में कहा, "मेरे पिता ने मेरा रिश्ता तय कर दिया है। दस दिन बाद मेरी शादी है और मैं पोलैंड चली जाऊंगी। जो कुछ हमारे बीच था, अब वह खत्म हो चुका है। शायद वह प्यार नहीं, बस एक भूल या जवानी का जोश था। जिंदगी बसाने के लिए समझदारी जरूरी होती है।"

परेश का दिल टूट गया। उसने कांपती आवाज में पूछा, "और जो तुम्हारे पेट में पल रहा है . मेरा बच्चा... उसका क्या होगा?"

श्रद्धा ने बेरुखी से कहा, "अभी सिर्फ दो महीने हुए हैं। वहां जाकर मैं उसे गिरा दूंगी। यह मेरी अपनी समस्या है, तुम इसमें मत पड़ो।"

परेश की आवाज भर्रा गई, "तुमने तो मेरे साथ जीवन बिताने की कसमें खाई थीं।"

श्रद्धा ने कड़वे स्वर में कहा, "हां, खाई थीं। लेकिन बाद में समझ आया कि तुम मुझे वह सुख-सुविधाएं नहीं दे सकते जो मेरा होने वाला पति देगा। उसके पास पैसा है, अच्छा करियर है। मैं अपने भविष्य के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।"

परेश ने आखिरी बार कहा, "मैं अमीर नहीं हूं, लेकिन हमारा प्यार सच्चा था... उसकी कोई कीमत नहीं?"

श्रद्धा ने गुस्से में कहा, "अगर तुम्हें उसी में जीना है, तो जीते रहो। मुझे अपनी जिंदगी आराम से जीनी है। बिना पैसे के वह संभव नहीं। बेहतर है तुम अपने रास्ते चलो और मैं अपने।" इतना कहकर वह मुड़ी और तेज कदमों से चली गई। परेश वहीं खड़ा रह गया, टूटे हुए सपनों और बिखरे विश्वास के साथ, उसे दूर जाते हुए देखता रहा।

कुछ हटकर

बी फार्मेसी : हेल्थ सेक्टर में बनाएं मजबूत भविष्य

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मेसी) चार वर्षीय स्नातक कोर्स है, जो छात्रों को फार्मासिस्ट बनने के लिए तैयार करता है। इसमें दवाओं के निर्माण, विश्लेषण, वितरण और रोगी परामर्श की जानकारी दी जाती है। 12वीं में पीसीबी /पीसीएम के साथ 45-50% अंक वाले छात्र इसके पात्र होते हैं। कोर्स में फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री और हेल्थकेयर मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। यह डिग्री छात्रों में रिसर्च क्षमता, नैतिकता और वैज्ञानिक सोच विकसित करती है। साथ ही, क्लिनिकल फार्मेसी, ड्रग रिसर्च और क्वालिटी कंट्रोल जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर प्रदान करती है।

उच्च शिक्षा के मौके

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक यदि अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाना चाहें तो उनके लिए कई विकल्प खुले हैं। उच्च शिक्षा से न केवल औषधि और हेल्थकेयर ज्ञान बढ़ता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर के अवसर व्यापक हो जाते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ फार्मेसी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, रेगुलेटरी अफेयर्स या फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट
- पीएच डी फार्मास्यूटिकल साइंस/बायोटेक
- क्लीनिकल रिसर्च सर्टिफिकेशन
- रेगुलेटरी अफेयर्स सर्टिफिकेशन
- क्वालिटी असुरेन्स / गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज सर्टिफिकेशन
- मेडिकल राइटिंग सर्टिफिकेशन
- हेल्थकेयर आईटी सर्टिफिकेशन

आवश्यक कौशल

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। औषधि और हेल्थकेयर उद्योग में सफलता के लिए विद्यार्थियों में श्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान क्षमता, समस्या समाधान, टीमवर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसी विशेष क्षमताएं होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल कंपनियों, हॉस्पिटल्स, रिसर्च लैब्स और कंसल्टिंग फर्मों में अवसर उपलब्ध हैं। आज के स्वास्थ्य और औषधि उद्योग में योग्य फार्मासिस्ट और रिसर्च प्रोफेशनल्स की मांग है। छात्र यहां ड्रग डेवलपमेंट, क्वालिटी कंट्रोल, क्लिनिकल फार्मेसी, रेगुलेटरी अफेयर्स, सेल्स, मार्केटिंग, शिक्षा और आईटी हेल्थकेयर में करियर बना सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों की निजी क्षेत्र में प्रारंभिक आय लगभग 3 से 5 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह आय 10 से 20 लाख वार्षिक तक पहुंच सकती है।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए फार्मास्यूटिकल, हेल्थकेयर और अनुसंधान विभागों में सम्मानजनक अवसर उपलब्ध हैं। यहाँ वे विभिन्न सरकारी हॉस्पिटल्स, अनुसंधान संस्थान और मेडिकल कॉलेजों में काम कर सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

सुजल ग्राम संवाद कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन ने मनाया विश्व जल दिवस

पेयजल शुल्क एकत्रित करने में ग्राम पंचायतें आएं आगेः सीईओ उदय सिंह

पानी की एक-एक बूंद कीमती

जल शक्ति मंत्री ने प्रदेश के जल जीवन मिशन की प्रगति की सराहना की तथा ग्राम पंचायतों से जनभागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से सुजल ग्राम संवाद कार्यक्रम के पांचवें एडिशन का विश्व जल दिवस के अवसर पर जल जीवन मिशन के तहत देशभर की ग्राम पंचायतों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल उपस्थित रहे।

लघु सचिवालय से भी जिला प्रशासन की ओर से सीईओ उदय सिंह की अध्यक्षता में विश्व जल दिवस के तहत सुजल ग्राम संवाद किया गया। कार्यक्रम में सीधे तौर पर जिले की 20 पंचायतें जुड़ी हुई थीं। वहीं खंड की दौचाना ग्राम पंचायत के सरपंच व ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सभी सदस्य भी लघु सचिवालय में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने प्रदेश के जल जीवन मिशन की प्रगति की सराहना की तथा ग्राम पंचायतों से जनभागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। प्रदेश से अंबाला जिले की तेपला ग्राम पंचायत से सीधा संवाद भी किया गया। कार्यक्रम में सीईओ उदय सिंह ने ग्राम पंचायतों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व जल दिवस सिर्फ एक दिन का दिवस नहीं है, बल्कि यह हमारी दैनिक गतिविधियों से जुड़ा विषय है। इसलिए ग्राम पंचायतें अपने-अपने गांव में पेयजल उपभोक्ताओं से पेयजल शुल्क लेना शुरू करें, ताकि उपभोक्ताओं को अपनापन महसूस हो और वे पेयजल की कीमत को समझें। पानी की एक-एक बूंद कीमती है, इसे बचाने का प्रयास करें। यह सामूहिक भागीदारी का कार्य है। इसमें प्रत्येक ग्रामीण को सहयोग करना चाहिए।

नारनौल। ग्राम पंचायत दौचाना को जल महोत्सव का स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते सीईओ जिला परिषद। फोटो : हरिभूमि

पेयजल पर गंभीरता से काम करने का समय आ गया

- **पेयजल भंडारण क्षमता को विकसित करने का कार्य किया जाएगा**

जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार ने कहा कि अब ग्राम पंचायतों के लिए पेयजल पर गंभीरता से काम करने का समय आ गया है। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल मिल रहा है। यह जल निरंतर मिलता रहे, इसके लिए ग्राम पंचायतें व ग्राम जल एवं सीवरेज समिति निरंतर कार्य करें, ताकि पानी की उपलब्धता के साथ-साथ पेयजल की गुणवत्ता भी बरकरार रहे। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी ने जिला प्रशासन को आश्वासन देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन 2.0 के तहत जिले में पेयजल की उपलब्धता, पेयजल की गुणवत्ता, जल शुल्क तथा पेयजल भंडारण क्षमता को विकसित करने का कार्य किया जाएगा। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में बनी ग्राम जल एवं सीवरेज समिति को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पेयजल शुल्क की 100 प्रतिशत रिकवरी करने वाली ग्राम पंचायत को विभाग की तरफ से सम्मानित भी किया जाएगा।

जल महोत्सव का स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

सुजल ग्राम संवाद कार्यक्रम के तहत सीईओ उदय सिंह की तरफ से खंड की ग्राम पंचायत दौचाना के सरपंच मूलचंद, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों को जल महोत्सव का स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से अधीक्षक अभियंता एसपी जोशी, कार्यकारी अभियंता जितेंद्र हुड्डा, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रेनू लता, जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा, उपमंडल अभियंता जसबीर, उपमंडल अभियंता मुकेश शर्मा, जेई प्रवीण कुमार, जेई पिंकी यादव, राजकुमार, दौचाना सरपंच मूलचंद, बीआरसी इंद्रजीत, ग्राम सचिव सहित ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

पेयजल शुल्क निर्धारित

पेयजल शुल्क सरकार की ओर से मात्र 40 रुपये व अनुसूचित जाति के उपभोक्ताओं के लिए मात्र 20 रुपये मासिक निर्धारित किया गया है। इस कार्य में महिलाओं की भूमिका अहम है, इसलिए ग्राम जल एवं सीवरेज समिति में महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम जिले में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

ये पंचायतें जुड़ी

पंचायत अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि सुजल ग्राम संवाद की वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ने के लिए जिले की हर पंचायत को सूचना दी गई थी, ताकि देश की विभिन्न सफलता की कहानियां हर ग्राम पंचायत के साथ साझा हो सकें। जिले की दौचाना ग्राम पंचायत लघु सचिवालय से जुड़ी हुई थी। खंड की गहली, डोहर खुर्द, कारोता, अमरपुर जोरासी, लहरोदा, नांगतिहाड़ी, बड़गांव, बड़कोदा, निवाजनगर, सिलारपुर मेहता, हाजीपुर, बास किरारोद उमराबाद, रघुनाथपुरा, मकसूसपुर, निजामपुर खंड की हसनपुर, तलोट, घाटासेर, निजामपुर, बखरीजा ग्राम पंचायतों को मिलाकर 20 ग्राम पंचायतों को ग्राम पंचायत परिसर से ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के साथ जोड़ा गया था।

खबर संक्षेप

हैप्पी स्कूल में परीक्षा परिणाम पर सम्मान समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल द्वारा की गई। इस अवसर पर कक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. कुंतल ने कहा कि यह विद्यालय न केवल वार्षिक परीक्षा परिणामों में, बल्कि बोर्ड परीक्षाओं में भी निरंतर अग्रणी रहा है। विशेष रूप से, राष्ट्रीय स्तर पर बोर्ड परीक्षा में दो रैंक दिलाने का गौरव भी इसी विद्यालय को प्राप्त है। कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा नौवीं एवं 11वीं तक के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। मंच संचालन का कार्य अध्यापक कुलदीप शर्मा, पिंकी यादव, हरीश कौशिक एवं दशरथ कुमार द्वारा किया गया। चेयरमैन सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल तथा मैनेजर चंचल अग्रवाल ने पुरस्कार वितरण कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करते हुए जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया।

नवीन कुमार ने गेट परीक्षा में लहराया परचम

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल का छात्र नवीन कुमार पुत्र सुभाष चंद डीपीई ने देश की प्रतिष्ठित परीक्षा गेट में शानदार सफलता प्राप्त की। ज्ञातव्य हो की नवीन कुमार ने आईआईटी हिमाचल मंडी से इलेक्ट्रिकल से बीटेक परीक्षा पास कर यह मुकाम हासिल किया है। अब वह एमटेक कर किसी निजी टॉप कंपनी या गवर्नमेंट जॉब में जाकर देश सेवा करना चाहता है। नवीन कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा-दादी, माता-पिता सहित पूरे परिवार के सहयोग को दिया। नवीन कुमार प्रारंभ से ही होनहार विद्यार्थी रहा है जिसने अपनी 12वीं तक की शिक्षा यदुवंशी शिक्षा निकेतन नारनौल से प्राप्त की। नवीन कुमार की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। नवीन प्रतिदिन 8 से 10 घंटे तक पढ़ाई करता था और उन्होंने अपने लक्ष्य पर लगातार फोकस बनाए रखा। उन्होंने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, नियमित अभ्यास और सही रणनीति ही सफलता दिलाती है। नवीन कुमार की इस उपलब्धि से क्षेत्र के अन्य सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल रही है।

आकाश में साम्बो ट्रायल बुधवार से

महेंद्रगढ़। हरियाणा राज्य साम्बो ट्रायल का आयोजन आकाश एकेडमी में बुधवार को किया जाएगा। यह ट्रायल विभिन्न आयु वर्गों के लिए आयोजित होंगे, जिनमें 10, 12, 14, 16, 18, सीनियर और मास्टर श्रेणियां शामिल हैं। इच्छुक एथलीट एकेडमी के प्रभारी विकास यादव को रिपोर्ट कर सकते हैं। ट्रायल के लिए प्रवेश शुल्क 200 प्रति खिलाड़ी निर्धारित किया गया है। चयन के पश्चात, हरियाणा राज्य की साम्बो टीम आगामी 27 से 29 मार्च तक सैनी भवन ज्वालापुर, हरिद्वार उत्तराखंड में आयोजित होने वाली 16वीं नेशनल साम्बो चैंपियनशिप में प्रतिनिधित्व करेगी। नेशनल चैंपियनशिप के लिए प्रवेश शुल्क, रहने और खाने का खर्च 3500 प्रति खिलाड़ी होगा। यह जानकारी साम्बो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव सह भारतीय राष्ट्रीय साम्बो टीम के मुख्य कोच डिप्टी राम शर्मा द्वारा साझा की गई है।

दुर्गा मंदिर में किया माता की चौकी का आयोजन

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शनिवार रात को माता रानी की चौकी दुर्गा मन्दिर परिसर अग्रवाल सभा में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के संरक्षक जयप्रकाश अग्रवाल, प्रधान राकेश यादव, कार्यक्रम संयोजक टिटू सोनी, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र यादव, राजेश सैनी ने संयुक्त रूप से की। माता रानी की चौकी में मुख्य यजमान भारत सैनी व उनकी पत्नी अंबिका सैनी रहे। कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र बंशी, उप प्रधान राजेश सैनी, श्रीचंद सैनी, प्रवीण यादव, सुनील शर्मा ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन किया। गणेश वंदना गायकार धारू व माता का आह्वान गायकर नवीन वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर मास्टर कार्तिक ने तूने मुझे बुलाया शेरोंवालिए मैं आया मैं आया शेरों वालिए भजन सुनाया।

बीआर में ग्रेजुएशन डे एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श विद्यालय सेहलंग में प्री प्राइमरी के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन डे एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर मुख्यातिथि चेयरमैन हरिश भारद्वाज, अध्यक्षता वाइस चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज तथा विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी ग्रेजुएशन ड्रेस (गाउन एवं कैप में मंच पर आए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों की आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति ने विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था को प्रदर्शित किया। इसके उपरांत शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव होती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग देने का आह्वान किया तथा कहा कि आज का यह ग्रेजुएशन उनके उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है। प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने बच्चों को निरंतर सीखते रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा अभिभावकों का धन्यवाद करते हुए विद्यालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आरपीएस विद्यालय में गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज. महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय ने अपनी सुविधाओं में विस्तार करते हुए छात्राओं के लिए एक नवनिर्मित एसी गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गर्ल्स हॉस्टल में आयोजित भव्य हवन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में आरपीएस प्रबंधन समिति की सेक्रेटरी बिमला देवी, एडवोकेट नरेन्द्र राव, चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रेम राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सेक्रेटरी बिमला देवी ने कहा कि एक शिक्षित बेटी न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज का भविष्य संवारती है।

उन्होंने बेटियों के आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल देते हुए इस आधुनिक छात्रावास को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि उनका उद्देश्य बेटियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें एक ऐसा सुरक्षित और घर जैसा पोषणकारी वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि डिजिटल अध्ययन क्षेत्र, एक सुसज्जित पुस्तकालय व हाई-स्पीड वाई-फाई की सुविधा, 24/7 सीसीटीवी निगरानी, आधुनिक सुरक्षा उपकरण, समर्पित वार्डन की तैनाती, अत्याधुनिक नवनिर्मित रसोईघर व स्वच्छ भोजनालय (हाइजीनिक डाइनिंग हॉल), जहां पौष्टिक और संतुलित भोजन परोसा जाएगा। मनोरंजन व खेल सुविधाएं भी इसी भवन के अंदर इंडोर व आउटडोर खेल मैदान और एक आधुनिक मनोरंजन लाउंज, अनुशासन के साथ-साथ यहां नियमित मार्गदर्शन सत्र, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

महेंद्रगढ़। हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तकनीक व सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता

ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि इस हॉस्टल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि छात्राओं को प्रतिस्पर्धा के इस युग में पढ़ाई के लिए सर्वोत्तम माहौल मिल सके। वहीं, डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने स्पष्ट किया कि परिसर में तकनीक और सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

'आराम और उत्कृष्टता' का अनूठा मिश्रण

प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि यह नया भवन 'आराम और उत्कृष्टता' का अनूठा मिश्रण है। यह केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि एक जीवंत समुदाय है, जहां भविष्य के नेताओं का पोषण होगा। यह पूरी तरह से वातानुकूलित विशाल और हवादार कमरे जो समकालीन इंटीरियर से सुसज्जित है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अकाउंट ऑफिसर देवेंद्र यादव, उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, विंग हेड देवेंद्र पुनिया, पवन तिवारी, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत, राजकुमार, राजसिंह इंदौरा सहित समस्त स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मूसनौता स्कूल का सुपर 100 व बुनियाद लेवल 2 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

निजामपुर। सीनियर सेकेंडरी स्कूल मूसनौता के विद्यार्थियों ने विभाग की ओर से आयोजित सुपर 100 व बुनियाद लेवल 2 की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल प्रशासन ने मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मनोज शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि विभागीय स्कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने की योजना बनाई है। जिसके अनुसार बीते महीने सुपर 100 तथा बुनियाद लेवल 2 परीक्षा आयोजित हुई थी। जिसमें स्कूल के 26 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। जिसमें से 10वीं के छात्र युवराज पुत्र प्रहलाद व छात्रा अनु गुर्जर पुत्री भूपसिंह ने सुपर 100 लेवल 1 परीक्षा उत्तीर्ण करके स्कूल का गौरव बढ़ाया है। वहीं कक्षा आठवीं की छात्रा अलीशा खान पुत्री इकबाल खान ने मिशन बुनियाद लेवल 2 में जिले में द्वितीय व राज्य स्तर पर 50वां स्थान प्राप्त कर विशेष उपलब्धि दर्ज की है। इसके अलावा नीतू पुत्री फूसाराम, संगीता पुत्री प्रकाश, भारती पुत्री अशोक कुमार मेघवाल ने भी इसी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया है। उन्होंने बताया कि सफल रहे विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग व आवासीय सुविधा प्रदान की जाती है।

सरस्वती स्कूल में 1027 विद्यार्थियों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्या वंदना यादव की अगुवाई में स्कॉलरशिप परीक्षा संपन्न हो गई। जिसमें विभिन्न गांवों के 1027 विद्यार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा का परिणाम अगले सप्ताह घोषित किया जाएगा। संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव ने परीक्षा का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण पद्धति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सभी बच्चों में होती है, लेकिन व्यवस्थित प्लेटफार्म नहीं मिलने से निखारने में सफलता नहीं मिलती। उनकी सुविधा के लिए प्रबंधन कमेटी ने चेयरमैन सकॉलरशिप परीक्षा का निर्णय लिया। कक्षा छठी से 12वीं तक संपन्न हुई परीक्षा में साइंस, मैथ, सामाजिक, हिंदी, अंग्रेजी तथा अन्य विषयों के प्रश्न शामिल किए गए।

अगले सप्ताह परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। जिसमें अव्वल रहे विद्यार्थियों को 50 से 100 फीसदी तक दाखिला शुल्क में छूट निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के पंजीकृत मोबाइल पर परीक्षा का परिणाम भेज दिया जाएगा। परीक्षा की सफलता में उप प्राचार्या रेखा यादव, संयोजक संदीप यादव समेत शिक्षक स्टॉफ की भूमिका रही।

नांगल चौधरी। सरस्वती स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा देते विद्यार्थी।

मातृशक्ति वंदन यज्ञ संगोष्ठी का आयोजन

नारनौल। नवरात्रों के पावन पर्व पर लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ के सौजन्य से हुडा सेक्टर में इंदु व अजीत यादव के निवास पर मातृशक्ति वंदन यज्ञ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित मातृशक्ति ने यज्ञ में घृत, सामग्री व मिष्ठान की आहुतियां डाली और मातृशक्ति वंदन, स्त्री शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन व स्त्री सशक्तिकरण जैसे विषयों पर लोकगीत गाकर सामाजिक चेतना जागृत की। यज्ञ संयोजिका समाजसेविका डॉ. कृष्णा आर्या ने वैदिक मन्त्रोंचारण के साथ यज्ञ संपन्न करवाया व यज्ञ की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने बताया की चैत्र मास के नवरात्रों में यज्ञ, हवन, दान, पुण्य, सत्संग आदि का विशेष धर्म लाभ होता है। इन अवसरों पर मातृशक्ति भक्ति के साथ सामाजिक जागरूकता जैसे प्रकल्पों के साथ जुड़कर बालिका सुरक्षा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, कन्या भ्रूणहत्या को रोकने, दहेज का लेनदेन बंद करने, भात छुछक का दिखावा न करने, बेटा बेटी में भेदभाव को समाप्त करने में अपना विशेष योगदान दे सकती हैं। यज्ञ संगोष्ठी में इंदु व अजीत यादव मुख्य यजमान रहे। इस मौके पर काजल, शकुंतला यादव, मनोज यादव, कृष्णा, वेदवती, जन्त्री देवी, बीरमती, कमला, बिमला, संतरा, सुरेश, रामकला, शकुंतला देवी, वरदान आदि महिलाएं उपस्थित रही।

बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने को लेकर मंथन

राजेश सैनी बने राष्ट्रीय सैनी सभा के जिला उपाध्यक्ष

- **सैनी समाज को संगठित व मजबूत बनाना समय की आवश्यकता : संजय सैनी**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्रीय सैनी सभा के जिला अध्यक्ष संजय सैनी के नेतृत्व में मिलन गार्डन निजामपुर रोड में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने को लेकर चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजय सैनी ने संगठन के विस्तार को गति देते हुए राजेश सैनी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया। जिलाध्यक्ष संजय सैनी ने राजेश सैनी को नियुक्ति पत्र दिया। उनकी नियुक्ति पर उपस्थित सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राजेश सैनी का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

जिला अध्यक्ष संजय सैनी ने कहा कि सैनी समाज को संगठित व मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के सभी लोग एकजुट होकर कार्य नहीं करेंगे, तब तक विकास की गति को और तेज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राजेश सैनी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सैनी सभा का उद्देश्य केवल पद वितरण नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर शिक्षा, सामाजिक जागरूकता व आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ समाजसेवा में अपना योगदान दें। बैठक के अंत में जिला अध्यक्ष संजय सैनी ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

नारनौल। राजेश सैनी को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे शामिल

इस अवसर पर बैठक में समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से हलका प्रधान नांगल चौधरी बलवंत सैनी, हलका प्रधान अटेली नरसिंह सैनी, हलका प्रधान महेंद्रगढ़ होशियार सैनी, हलका प्रधान नारनौल दीपेश सैनी, वाइस प्रेसिडेंट बीजेपी डॉ. राजेंद्र सैनी, विजेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार सैनी, हिमांशु सैनी, पंकज सैनी, सुशांत सैनी, सोनू सैनी, गोविंद सैनी, मदन सैनी, बैजु सरदार, सावरमल सैनी, विनोद सैनी शामिल थे।

सूरज स्कूल में वार्षिक परिणाम और ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सूरज स्कूल में वार्षिक परिणाम 2025-26 व ग्रेजुएशन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय में खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों को उनके वार्षिक परिणाम प्रदान किए गए तथा विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजित की गई। इस दौरान शिक्षकों द्वारा अभिभावकों के साथ सकारात्मक डिस्कशन किया गया, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी के शैक्षणिक प्रदर्शन, व्यवहार और विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक सुझाव दिए। ग्रुप डायरेक्टर संदीप प्रसाद ने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के आपसी सहयोग से ही बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों के विश्वास और सहयोग की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों को यह भी समझाया गया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सोशल मीडिया का सीमित एवं नियंत्रित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। प्रशासनिक अधिकारी जोगेंद्र ने बच्चों को अनावश्यक रूप से मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रखें तथा उनके स्क्रीन टाइम पर निगरानी बनाए रखें। प्राचार्य पृथ्वीराज यादव ने कहा कि यदि दोनों मिलकर बच्चों के मार्गदर्शन में सहयोग करें, तो विद्यार्थी जीवन में उच्चतम उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

‘धुरंधर द रिवेंज’ में छाई सुंबली, 6 साल पहले नारनौल में हुई शादी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

नारनौल की बहू एक्ट्रेस भाषा सुंबली इन दिनों बॉलीवुड फिल्म धुरंधर द रिवेंज में अपनी एक्टिंग से छाई हुई हैं। मूवी में उन्होंने रणवीर सिंह के कैरेक्टर जसकीरत की एडवोकेट वीना का रोल निभाया है। कोर्ट रूम में उनके सीन की दर्शक भी जमकर सराहना कर रहे हैं। सुंबली मूल रूप से जम्मू कश्मीर की रहने वाली हैं। करीब छह साल पहले उनकी शादी नारनौल के रहने वाले एक्टर सुनील सोनी के साथ हुई थी। दोनों की मुलाकात नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान हुई थी। परिजनों ने बताया कि दोनों ने साथ में कई स्टेज परफॉर्मेंस की। इसके बाद धीरे धीरे दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। जिसके बाद दोनों ने 2016 में शादी की। भाषा सुंबली ने अपने अभिनय करियर में कई महत्वपूर्ण फिल्मों में काम किया है। उन्हें सबसे अधिक पहचान वर्ष 2022 में आई फिल्म द कश्मीर फाइल्स में शारदा पंडित की भूमिका से मिली। इसके अलावा उन्होंने छपाक 2020 में दीपिका पादुकोण के साथ काम किया, जबकि बारामूला 2025 में उन्होंने गुलनार सैयद का प्रमुख किरदार निभाया। बारामूला फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

नारनौल। मुंबई में अभिनेता दर्शन कुमार के साथ भाषा सुंबली व उनके पति सुनील सोनी। फोटो : हरिभूमि

सुंबली का परिवार

भाषा सुंबली का जन्म जम्मू कश्मीर के सुंबल में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। इनके पिता अग्निशेखर हिन्दी के प्रसिद्ध कवि व लेखक हैं, जबकि माता क्षमा कौल भी जानी मानी उपन्यासकार व कवयित्री हैं। परिवार को 1990 के दशक में कश्मीरी हिंदुओं के निर्वासन के दौरान कश्मीर छोड़कर दिल्ली में बसना पड़ा था। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भाषा ने अभिनय के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई तथा आज वह बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

फिल्मों के साथ भाषा सुंबली थिएटर से भी जुड़ी रही हैं और टेलीविजन के कुछ प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने मुंबई में कई बच्चों के शो किए। वहीं भाषा के पति सुनील सोनी भी उनके साथ मुंबई शिफ्ट हो चुके हैं।

सुनील सोनी का परिवार

मीडिया से बात करते हुए सुनील सोनी ने कहा कि उन दोनों का नारनौल से जुड़ाव है। वे पिछले साल ही दो नवंबर को नारनौल आए थे। घर में मां व मेरा एक भाई है। वहीं, दूसरे भाई चंडीगढ़ में फैमिली के साथ रहते हैं। सुनील सोनी ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है। सलमान खान स्टारर फिल्म दबंग तीन, इनकार में काम कर चुके है। इसके अलावा दो फिल्म और शूट हो चुकी है, जो अभी आनी बाकी है। उन्होंने कहा कि कई बड़े शो में काम करते रहे है। जिनमें इंडियाज बेस्ट ड्रामेबाज, सबसे बड़ा कलाकार, इंडियाज गॉट टैलेंट शामिल है। इसके अलावा आईपीएल में भी काम कर चुके है। सुनील सोनी ने भाषा सुंबली को धुरंधर द रिवेंज फिल्म रोल मिलने के बारे में बताया कि यह फिल्म की कास्टिंग टैलेंट बेस्ड है। उन्होंने पहले भी दिपिका पादुकोण के साथ छपाक, द कश्मीर फाइल्स, बारामूला में काम किया है।

खबर संक्षेप

दाह संस्कार के दौरान भड़की मधुमक्खियों का हमला

नारनौल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम के पास स्थित स्वर्ग आश्रम में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वहां दाह संस्कार के दौरान अचानक बड़े छत्ते से मधुमक्खियों का झुंड निकलकर लोगों पर टूट पड़ा। इस हमले में कई लोग घायल हो गए और मौके पर भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही मधुमक्खियां आक्रामक हुई, वहां मौजूद लोगों में डर फैल गया। इसी बीच मोहल्ला पीरआगा के राजकुमार ने सूझबूझ दिखाते हुए लोगों को भागने की बजाए जमीन पर लेट जाने की सलाह दी, जिससे कई लोगों को गंभीर हमले से बचाया जा सका।

शहीदी दिवस पर झंडा चौक से निकलेगी नशा मुक्ति यात्रा

मंडी अटेली। शहीद-ए-आजम भगत सिंह सेवा समिति अटेली के तत्वावधान में शहीदी दिवस पर 23 मार्च को अटेली के झंडा चौक से नशा मुक्ति यात्रा झंडा यात्रा निकाली जाएगी। प्राथमिक स्कूल में भगत सिंह के जीवन एवं शहादत पर व्याख्यान होगा। शहीद-ए-आजम भगतसिंह सेवा समिति के प्रधान अरूण ने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य शहीद-ए-आजम भगत सिंह सहित दूसरे शहीदों को याद कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करना है। प्रधान ने बताया कि समिति हाल में ही रजिस्टर्ड हुई है, जिसमें जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराना होगा।

शहर में किया 166वीं प्रभात फेरी का आयोजन

नारनौल। नगर में राधा नाम की अलग जगाने वाली संस्था श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 166वीं प्रभात फेरी सुरेश चौबे मोहल्ला रावका के निवास स्थान से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान सुरेश चौबे ने अपने परिवार के साथ राधा रानी की पूजा कर सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर किया। फेरी में सैकड़ों की संख्या में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष शामिल हुए।

पांच वर्षों के लिए लगभग 4.22 करोड़ की आएंगी लागत, सात दिनों का होगा ट्रायल

नपा के डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण अभियान की कल से होगी शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

नगर पालिका की ओर से शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आगामी मंगलवार से डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण कार्य की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। यह कार्य आगामी पांच वर्षों के लिए लगभग चार करोड़ 22 लाख की लागत से कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रारंभिक सात दिनों का ट्रायल किया जाएगा, ताकि कार्यप्रणाली में आने वाली कमियों को समय रहते सुधारा जा सके। इसके बाद एक महीने के भीतर पूरे शहर में व्यवस्था को पूर्ण रूप से लागू करना अनिवार्य होगा। शहर के हर वार्ड, मोहल्ले और गली के प्रत्येक घर तक कूड़ा संग्रहण वाहन पहुंचेंगे। आधुनिक व्यवस्था के तहत प्रत्येक घर के बाहर डिजिटल क्यूआर कोड लगाए जाएंगे, जिससे कूड़ा उठान की पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित होगी। शहर को आवश्यकता अनुसार विभिन्न जोन में विभाजित किया जाएगा, ताकि कार्य कुशलता से किया जा सके। नगर पालिका द्वारा नियुक्त एजेंसी को निर्देश दिए गए हैं कि एक महीने के भीतर कूड़ा संग्रहण के लिए आवश्यक संसाधन जैसे टैंपों, छोटी गलियों के लिए ई-रिक्शा, ट्रैक्टर, जेसीबी एवं लोडर की व्यवस्था करे। प्रत्येक टेम्पों में ड्राइवर के साथ एक हेल्पर रखना अनिवार्य होगा। एजेंसी द्वारा की जाने वाली पेमेंट घर-घर कूड़ा उठान के आधार पर की जाएगी, जिससे मनमानी की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। इस दौरान आमजन से प्राप्त सुझावों और शिकायतों के आधार पर छोटी-मोटी समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में आमजन की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि कूड़ा इधर-उधर न फेंके। घर पर आने वाले कूड़ा संग्रहण वाहन में ही कूड़ा डालें। प्रत्येक घर एवं प्रतिष्ठान पर गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग रखने के लिए दो डस्टबिन अवश्य रखें। यह पहल शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

बता दें कि कुछ वर्ष पहले नगर पालिका की ओर से एक निजी ठेकेदार को हायर कर उसके माध्यम से शहर में सफाई व्यवस्था शुरू कराई थी, उने द्वारा हीं शहर में घर घर कूड़े का उठान किया जा रहा हैं। लेकिन ठेकेदार पर नियमित रूप से निगरानी के अभाव में सफाई व्यवस्था भी राम भरोसे चल रही थी।

महेंद्रगढ़। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण के लिए आए टैंपो। फोटो : हरिभूमि

मोदाश्रम डंपिंग यार्ड पर लगेगा कचरा प्रबंधन संयंत्र

एजेंसी की ओर से शहर में गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग उठान की व्यवस्था की जाएगी। शहर की तंग गलियों में छोटे वाहन लगाकर पूरे शहर से कचरा उठाया जाएगा। साथ ही शहर के मोदाश्रम के पास 11 एकड़ में नगर पालिका की जमीन पर बनाए गए कचरा डंपिंग प्वाइंट पर ठोस व गीले कचरे को अलग कर उसका निस्तारण करने के लिए संयंत्र लगाया गया हैं। इस कचरे से निकलने वाले सभी प्रकार के कचरे को रिसाइकल कर पुनः उपयोग के लायक बनाया जाएगा।

मंडी अटेली। बिजली बोर्ड परिसर नई कार्यकारिणी सदस्यों स्वागत करते हुए।

नामदेव समाज समिति की नई कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मंडी अटेली

नामदेव समाज समिति की बैठक रविवार को बिजली बोर्ड परिसर में पूर्व जिला प्रधान बाबूलाल वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन तथा समाज के निरंतर विकास पर चर्चा की गई और नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद रोहिला ने बताया कि नई कार्यकारिणी में सर्वोदय स्कूल के निदेशक विजयपाल रोहिल्ला को प्रधान, लक्ष्मीचंद नम्बरदार को उप प्रधान, दिनेश रोहिला को सचिव, अशोक चंदपुरा को उप सचिव, सुनिल रोहिला को कोषाध्यक्ष चुना गया। राकेश पेंटर को मीडिया प्रभारी, पवन रोहिला को संगठन सचिव और हरिओम महासर को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नव निर्वाचित प्रधान विजयपाल रोहिल्ला ने कहा कि हम नामदेव समाज के विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हमारी कोशिश होगी कि समाज के हर वर्ग को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर मिलें। अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समाज के विकास के लिए मिलकर काम करेगी। इस मौके पर जिला कार्यकारिणी सदस्य सुभाष चंद जेई, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश वर्मा, किशोरी लाल, प्रमोद रोहिला, प्रमोद वेदी, राहुल, मुरारीलाल सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय के नवीन परिसर का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक महेंद्रगढ़ चेयरमैन सुमंत कुमार ने क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण हरियाणा में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं (मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग आदि) के माध्यम से ग्राहकों तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करना तथा उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करना है। बैंक राज्यभर में सैकड़ों शाखाओं के माध्यम से कृषि, छोटे एवं मध्यम उद्यम, महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों एवं सामान्य जनता की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।

चेयरमैन ने फीता काटकर परिसर का लोकार्पण किया तथा क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारियों एवं मुख्य प्रबंधकों के साथ एक प्रेरणादायक बैठक की। बैठक में उन्होंने बैंक की प्रगति, ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता, वित्तीय समावेशन एवं आगामी विकास योजनाओं पर अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। चेयरमैन के प्रेरणादायक विचारों एवं संबोधन ने उपस्थित सभी को नई ऊर्जा, सकारात्मकता एवं समर्पण की भावना से भर दिया। इस नए परिसर के माध्यम से बैंक महेंद्रगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, डिजिटल एवं ग्राहक-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महेंद्रगढ़। कार्यालय परिसर का उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश की राजनीति में मजबूती से उभरी जजपा: बेदू सिंह राता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मंडी अटेली

जननायक जनता पार्टी ने पिछले कुछ महीनों में प्रदेश की राजनीति में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है। जजपा के हल्का प्रधान बेदू सिंह राता ने कहा कि पार्टी ने महज तीन महीनों के भीतर लगातार दो बड़ी रैलियां कर नया रिकॉर्ड बनाया है, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि प्रदेश में राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है और जनता का रुझान जजपा की ओर बढ़ रहा है। सात दिसंबर 2025 को जींद जिले के जुलाना में पार्टी के स्थापना दिवस पर एवं 13 मार्च को पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिवस पर हांसी में आयोजित विशाल रैलियों में उमड़ी भीड़ ने जजपा की बढ़ती लोकप्रियता को साबित किया है।

इन आयोजनों में प्रदेशभर से हजारों कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भागीदारी रही।वहीं प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और कांग्रेस की ढुलमुल राजनीति से निराश हो चुकी है। अब लोग जजपा को एक मजबूत विकल्प के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2024 के विधानसभा चुनाव में भले ही मतदाता अन्य दलों के प्रभाव में रहे हों, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।

पुलिस ने युवाओं को दिलाई नशा न करने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

डोर टू डोर नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस ने शहर के वार्ड नंबर 12 का भ्रमण किया। थाना शहर पुलिस के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान शिव मंदिर में नागरिकों व युवाओं के साथ नशा पर चर्चा की गई। निरीक्षक शारदा ने युवाओं को नशे के घातक दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करते हुए, उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि जो नशा पीड़ति व्यक्ति नशा छोड़ना चाहते हैं, पुलिस उनकी हर संभव सहायता करेगी। इस दौरान मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में भी जागरूक किया गया। अभियान के दौरान टीम ने आमजन को नए आपराधिक कानूनों, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

विशेष रूप से महिलाओं को उनके अधिकारों व महिला खिलाफ अपराधों के प्रति जागरूक किया, जिस पर महिलाओं ने भी अपने विचार साझा किए। वार्ड पार्षद सिकंदर व अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सभी नागरिकों को जीवनभर नशा न करने की शपथ दिलाई गई। पुलिस ने अपील की कि एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए हर नागरिक को इस मुहिम में अपना योगदान देना चाहिए।

नारनौल। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

स्वच्छ वातावरण ही अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला

मंडी अटेली। गांव बजाड़ में आयुष्मान आरोग्य मंदिर व स्कूल परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और हरियाली बढ़ाने का संदेश देना रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित व्यक्तियों एवं ग्रामीणों ने विभिन्न प्रकार के छायादार व फलदार पौधे लगाए। इस मौके पर समाजसेवी तेजप्रकाश ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए पौधरोपण बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने सभी से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करे। रविन्द्र बजाड़ ने कहा कि पेड़-पौधे न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और लोग प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। वहीं एमपीएचडब्ल्यू हरीश यादव ने भी स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण ही अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला है। इस मौके पर स्कूल के हेड मास्टर राकेश कुमार, इन्द्रजीत चंदपुरा, अभय सिंह, राजेन्द्र, संजय इत्यादि मौजूद थे।

विज्ञान व शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मिला सम्मान, क्षेत्र में खुशी की लहर

दौंगड़ा जाट में सम्मान समारोह, उभरते सितारे हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मंडी अटेली

प्रजापति महासभा की जिला इकाई की ओर से दौंगड़ा जाट में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रजापति विकास समिति कनीना के प्रधान ठेकेदार बलवान सिंह के कार्यालय पर हुआ। समारोह की शुरुआत महाराजा दक्ष प्रजापति एवं माता सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रताप सिंह प्रजापति ने की, जबकि संचालन मास्टर नरेंद्र वर्मा ने किया। समारोह में क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मूसानौता गांव के युवराज ने गुरुग्राम में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया तथा हाल ही में कक्षा आठवीं में हरियाणा सुपर-100 में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। उनके छोटे भाई ने भी विज्ञान प्रदर्शनी में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं दौंगड़ा जाट के विवेक पुत्र ठेकेदार बलवान सिंह ने आईजीयू के छठे सेमेस्टर में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि उनके भाई विकास ने दसवां स्थान हासिल किया। इसके अलावा हिमांशु ने आईजीयू के प्रथम सेमेस्टर में दूसरा स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभाओं को महासभा की ओर से फूल–मालाएं पहनाकर तथा उनकी योग्यता के अनुसार पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कोषाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्याध्यापक रतिराम कनोजिया ने शिक्षा के साथ संस्कार और संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्याध्यापक सत्यप्रकाश महरौलिया ने शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे एनएमएमएस सुपर-100 व बुनियादी परीक्षाओं की जानकारी देते हुए बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

मंडी अटेली। प्रजापति समाज के बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में बीएसएफ से रिटायर्ड इंस्पेक्टर सूबेसिंह, पूर्व सैनिक सूबेदार मेजर रामपाल सिंह, बीपीएचओ के जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार पाली सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे। इस मौके पर प्रजापति महासभा के जिला अध्यक्ष एवं सचिव विजय सिंह प्रजापति, उपप्रधान कृष्ण कुमार, राजवीर प्रजापति, सुरेश कुमार, महेश कुमार, श्याम सुंदर, हरि सिंह, निहाल सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रभात फेरी में गूंजे राधे-राधे के जयकारे

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 186वीं प्रभात फेरी मोहल्ला पीरआगा से निकाली गई। इस प्रभात फेरी के यजमान राजेश कुमार, माया देवी परिवार रहा। संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान पीरआगा से शुरू होकर गुरुनानकपुरा, बावड़ीपुर, पीरआगा, सलामपुरा होते हुए मुख्य यजमान के निवास पर संपन्न हुई। अलसुबह की प्रभात में ठाकुर जी व युगल सरकार की आरती करके सभी को चंदन तिलक किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने राधे राधे नाम का जाप किया। वहीं लोगों ने लड्डू गोपाल जी के दर्शन किए। संगठन के कोषाध्यक्ष संजय सैनी ने बताया कि संगठन की ओर से आगामी प्रभात फेरी 29 मार्च को कृष्ण कुमार परिवार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से निकाली जाएगी।